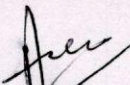


परियोजना का नाम:- जिला योजना के अन्तर्गत जनपद बागेश्वर में हवील कुलवान मोटर मार्ग से स्योकुणा ग्वालदम नाग लिंक मोटर मार्ग का निर्माण।

परियोजना का औचित्य

जिला योजना 2013-14 के अन्तर्गत मुख्य विकास अधिकारी, बागेश्वर के पत्रांक 736/ जिला योजना/ 2013-14 दिनांक 05.09.2013 द्वारा जनपद बागेश्वर में हवीलकुलवान मोटर मार्ग से स्योकुणा ग्वालदम नाग तक सम्पर्क मोटर मार्ग (वन भूमि हस्तान्तरण के लिए) रू० 0.40 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गयी है। भारत सरकार से वन भूमि स्वीकृति उपरान्त राज्य सरकार द्वारा मोटर मार्ग निर्माण हेतु धनराशि स्वीकृत की जायेगी।

राज्य सरकार द्वारा जनपद बागेश्वर के तहसील गरुड़ के अन्तर्गत अल्मोड़ा-ग्वालदम मोटर मार्ग के कि०मी० 82 से हवीलकुलवान तक 5 कि०मी० मोटर मार्ग निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गयी थी। सर्वेक्षण उपरान्त 4.4187 है० वन भूमि की भारत सरकार के पत्रांक 8बी/ यू.सी.पी./ 06/ 273/ एफ.सी./ 1166 दिनांक 16.01.2009 द्वारा विधिवत स्वीकृति एवं राज्य सरकार के शासनादेश संख्या जी.आई.-1882/ 7-1-2009-600 (2028)/ 2007 दिनांक 27.01.2009 द्वारा भूमि हस्तान्तरण आदेश उपरान्त निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। इस मार्ग के हिल साईड में ग्राम हवीलकुलवान के तोक स्योकुणा में नाग देवता का धार्मिक एवं पौराणिक मंदिर हैं जहां पर वर्षभर एवं नवरात्रि पर हजारों की संख्या में धार्मिक यात्री आते हैं परन्तु चढ़ाई में होने एवं यातायात के साधन न होने के कारण यात्रियों को कठिनाई का सामना करना पड़ता है। सर्वेक्षण उपरान्त इस सम्पर्क मार्ग की लम्बाई 3.00 कि०मी० आती है। इस सम्पर्क मोटर मार्ग का निर्माण हो जाने से धार्मिक पर्यटकों को यातायात की सुविधा के साथ ही स्योकुणा की जनता को अन्य सुविधाओं के साथ साथ गैस प्राप्त करने में सुविधा होगी जिससे जंगलों को बचाने में मदद मिलेगी। मार्ग के संरेखण में 2.03 है० वन भूमि एवं विभिन्न व्यास के कुल 147 चीड़ वृक्ष प्रभावित हो रहे हैं। यह क्षेत्र चीड़ बाहुल्य क्षेत्र है जिसमें प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में चीड़ के वृक्ष प्राकृतिक रूप से उगते हैं। मोटर मार्ग निर्माण उपरान्त 5 वर्ष के अन्दर स्वतः ही उगने की वजह से काटे जाने वाले वृक्षों की क्षतिपूर्ति हो जायेगी। उल्लेखनीय है कि जनपद बागेश्वर में लगभग 71 प्रतिशत भू-भाग वनाच्छादित है। जनहित में बुनियादी ढांचे के विकास, पर्यटन को बढ़ावा देने, वनों की सुरक्षा, पहाड़ी क्षेत्र से पलायन को रोकने एवं स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन हेतु वन भूमि के उपयोग के अलावा और कोई विकल्प नहीं हैं। अतः उपरोक्त कारणों से इस लिंक मोटर मार्ग का निर्माण वन भूमि में प्रस्तावित किया गया है जो अपरिहार्य एवं औचित्यपूर्ण है।


सहायक अभियंता
प्रान्तीय खंड, लो०नि०वि०
बागेश्वर


अधिशाली अभियंता
प्रान्तीय खंड, लो०नि०वि०
बागेश्वर